City International School

FIRST PRELIMINARY EXAMINATION 2015 – 2016

Date : 26/11/2015 **Marks : 80**

Std : X **Subject : Hindi** **Time :** 3 hrs

This paper comprises of two Sections; Section A and Section B.
Attempt all questions from Section A.
Attempt any four questions form Section B, answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions.
The intended marks for questions or parts of questions are given in Brackets ( )

SECTION A [40 MARKS]
Attempt all questions

Q. 1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: (15)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग २५० शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :-

i. आज की भागदौड़ की जिन्दगी में रिश्ते कहीं खो से गए हैं उन्हें संजोने के लिए कुछ कारगर उपाय बताइए।

ii. विज्ञान के क्षेत्र में हमने अभूतपूर्व प्रगति की है। विज्ञान द्वारा जहाँ हमें अनेक प्रकार की सुविधाएँ मिली हैं वहीं एक प्रकार की अशांति, असुरक्षा और बेचैनी का वातावरण भी निर्मित हुआ है। विज्ञान की सृजनात्मक उपलब्धियों एवं विध्वंसकारी प्रवृत्तियों का विवरण देते हुए एक प्रस्ताव लिखिए।

iii. आज सारा संसार भौतिक सुखों को पाने के लिए नीति - अनीति को भूलकर कुछ भी करने को तैयार है, क्या आप इस कथन से सहमत है, विषय के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार लिखिए।

iv. आपको यातायात में बाधा आ जाने के कारण पूरी रात किसी गाँव में गुजारनी पड़ी जिसके लिए आप तैयार नहीं थे। अपनी असुविधाओं तथा अनुभवों को रेखांकित करते हुए एक प्रस्ताव लिखिए।

v. एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :- "बोए पेड़ बबूल का तो आम कहाँ से होए।"

Q. 2 Write a letter in Hindi approximately 120 words on any one of the topics given below: (7)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग १२० शब्दों में पत्र लिखिए ।

i. अपने नगर में फैल रहे किसी संक्रामक रोग की सूचना देते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को एक पत्र लिखिए।

ii. विद्यालय में आपका सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के रुप में चुनाव हुआ है। इसकी जानकारी देते हुए विदेश में रहने वाले मित्र को पत्र लिखिए।

Q. 3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow using your own words as for as possible:- **(8)**

नीचे लिखे गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।
उत्तर यथासम्भव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:

महान रसायनशास्त्री आचार्य नागार्जुन को अपनी प्रयोगशाला के लिए दो सहायकों की आवश्यकता थी। अनेक युवक उनके पास आये और निवेदन किया कि वे उन्हें अपने सहायक के रुप में नियुक्त कर लें, लेकिन परीक्षा लेने पर सभी प्रत्याशी अयोग्य ही घोषित हुए। अन्त में आचार्य की निराशा का कारण था कि युवक रसायनशास्त्र के ज्ञाता तो थे और अपने विषय से परिचित भी थे, लेकिन एक रसायनशास्त्री के लिए जो पवित्र ध्येय होता है, उसका सभी में अभाव था। प्रत्याशियों में से किसी को अपने वेतन की चिन्ता थी, किसी को अपने परिवार की चिन्ता थी, तो किसी को अपना भविष्य उज्ज्वल बनाना था। पर आचार्य नागार्जुन को ऐसे सहायकों की आवश्यकता नहीं थी। उनके मन और विचार में कुछ और ही था। निराश होकर उन्होंने सहायक की आवश्यकता होते हुए भी स्वयं ही सारा कार्य करने का निश्चय कर लिया।

कुछ दिन बाद ही दो युवक आचार्य के पास आये। उन्होंने उनसे निवेदन किया कि वे उन्हें अपना सहायक नियुक्त कर लें। आचार्य ने पहले तो उन्हें लौटा देना चाहा लेकिन युवकों के अधिक आग्रह पर उन्होंने उनकी परीक्षा लेने का निश्चय किया। आचार्य ने दोनों युवकों को एक पदार्थ देकर दो दिन के भीतर ही उसका रसायन तैयार कर लाने को कहा। दोनों युवक पदार्थ लेकर अपने - अपने घर लौट गये।

दो दिन बाद एक युवक रसायन तैयार करके सुबह - सुबह ही उनके पास पहुँचा और रसायन का पात्र उन्हें देते हुए कहा, "लीजिए आचार्य जी, रसायन तैयार है।" रसायन के पात्र की ओर देख बिना ही आचार्य ने प्रश्न किया, "तो रसायन तैयार कर लिया तुमने?"

रसायन का पात्र एक ओर रखते हुए युवक ने कहा, "जी हाँ।" आचार्य ने दूसरा प्रश्न किया, "रसायन तैयार करने में किसी प्रकार की कोई बाधा तो उपस्थित नहीं हुई?"

युवक ने सकुचाते हुए उत्तर दिया, "बाधाएँ तो बहुत आईं थीं आचार्य जी, लेकिन मैंने किसी भी बाधा की चिन्ता किए बिना अपना कार्य चालू ही रखा तथा रसायन तैयार कर ही लिया। यदि मैं बाधाओं में उलझ गया होता तो रसायन तैयार हो ही नहीं सकता था। एक ओर तो पिता के पेट में भयंकर शूल था और दूसरी ओर मेरी माता ज्वर से पीड़ित थीं। ऊपर से मेरा छोटा भाई अपनी टाँग तुड़वाकर पीड़ा से कराह रहा था। परन्तु ये बातें मुझे रसायन बनाने से विचलित नहीं कर सकीं।"

तभी दूसरा युवक वहाँ खाली हाथ आकर खड़ा हो गया। आचार्य जी ने उससे पूछा, "रसायन कहाँ है?" युवक ने झिझकते हुए उत्तर दिया, "आचार्य जी, मैं क्षमा चाहता हूँ। रसायन तैयार नहीं हो सका। कारण कि जाते समय मार्ग में एक वृद्ध व्यक्ति मिल गया। वह सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था। मेरा सारा समय उसकी सेवा में ही व्यतीत हो गया।"

आचार्य ने पहले युवक से कहा, "तुम जा सकते हो, मुझे तुम्हारी आवश्यकता नहीं। रसायनशास्त्री यदि पीड़ा से कराहते व्यक्ति की उपेक्षा करे तो वह अपने शास्त्र में अपूर्ण है।" दूसरे युवक को उन्होंने अपना सहायक नियुक्त कर लिया। भविष्य में वही युवक उनका दायाँ हाथ बना और उन्हें अति प्रिय लगने लगा।

प्रश्न:-

i. आचार्य को कितने सहायकों की आवश्यकता थी? आचार्य की निराशा का क्या कारण था? **(2)**

ii. आचार्य ने दोनों युवकों की परीक्षा लेने का क्या उपाय सोचा? **(2)**

iii. दूसरा युवक रसायन तैयार क्यों नहीं कर सका? **(2)**

iv. आचार्य ने अपना सहायक किसे नियुक्त किया और क्यों? **(2)**

Q. 4 Answer the following according to the instructions given:-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :-

i. निम्न शब्दों से विशेषण बनाइए। (किन्ही दो) **(1)**

a. परिवर्तन b. शिक्षा c. अभियोग

d. शरण e. उल्लास

ii. निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही दो शब्दो के दो - दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :- **(2)**

a. विश्वास b. धर्म c. ब्रह्मा

d. कला e. अपमान f. भ्रमर

iii. निम्न शब्दों में से किन्ही दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :- **(1)**

a. प्रारंभिक b. मान c. परमार्थ

d. जटिल e. निर्जीव f. यौवन

iv. निम्नलिखित मुहावरों में से किन्ही दो की सहायता से वाक्य बनाइए :- **(2)**

a. दूर के ढोल सुहावने b. चिराग तले अँधेरा

c. आकाश के तारे तोड़ना d. अँधेर नगरी

e. धुएँ का महल खड़ा करना f. सिक्का जमाना

v. भाववाचक संज्ञा बनाइए :- (किन्ही दो) **(1)**

a. बूढ़ा b. बालक c. मीठा

d. राष्ट्र e. ब्राह्मण f. ईष्यालु

vi. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्य में परिवर्तन कीजिए :- (किन्ही तीन के) **(3)**

a. मानव धर्म ही सबसे बड़ा धर्म है। (बिना अर्थ बदले नकारात्मक वाक्य बनाइए।)

b. उसे बहुत दुःख आया तथा क्रोध भी हुआ। (वाक्य शुद्ध कीजिए।)

c. पर्यटन करना ज्ञानार्जन का दूसरा परम आवश्यक साधन है।
("ज्ञानार्जन के लिए" - से वाक्य प्रारंभ कीजिए।)

d. भगवान श्रीराम ने चित्रकूट में <u>एक पत्तों की बनी हुई कुटी</u> को अपना निवास स्थान बनाया।
(रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कर वाक्य पुनः लिखिए।)

SECTION B [40 MARKS]

Attempt four questions from this section. You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any two other questions:

गद्य संकलन

Read the exracts given below and answer in Hindi the questions that follow:-
निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

Q. 5 सब झूठ है। न जाने कहाँ से , पुलिस वालों ने ऐसी - ऐसी चीजें हमारे घरों से पैदा कर दी हैं।

i. प्रस्तुत अवतरण का प्रसंग लिखिए। **(2)**

ii. वक्ता की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **(2)**

iii. पुलिस वालों ने कौन - कौन सी चीजें पैदा कर दीं और किनके घरों से ? किस बात को झूठ बताया जा रहा है संदर्भ बताकर स्पष्ट कीजिए। **(3)**

iv. लाल और उसके साथियों को क्या सज़ा सुनाई गई ? आखिरी वक्त जब माँ की उन पर नज़र पड़ी तो लाल ने माँ से क्या कहा ? **(3)**

Q. 6 अगर ऐसा होने लगा, तो पाप पुण्य का भेद ही मिट जाएगा।

i. उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है ? वह यहपंक्ति किससे व क्यों कह रहा है ? **(3)**

ii. प्रस्तुत पंक्ति का श्रोता कौन है ? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। **(2)**

iii. श्रोता ने वक्ता की समस्या के समाधान के लिए क्या - क्या प्रयास किए ? क्या अंत में उन्हें अपने प्रयास में सफलता मिलती है ? समझाकर लिखिए। **(3)**

iv . सरकारी कार्यालयों में बढ़ते भ्रष्टाचार पर एक अनुच्छेद में अपने विचार लिखिए। **(2)**

Q. 7 सत्वगुण के समुद्र में जिनका अन्तःकरण निम्गम्न हो गया, वे ही महात्मा साधु और वीर है।

i. सत्वगुण से आप क्या समझते हैं ? इस गुण से युक्त व्यक्तियों को क्या लाभ होता है ? **(2)**

ii. सच्चे राजा एवं झूठे राजा किन्हें बताया गया है और क्यों ? **(3)**

iii. वीर पुरुषों के क्या गुण बताए गए है ? **(3)**

iv. प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। **(2)**

एकांकी सुमन

Read the extracts given below and answer in Hindi the questions that follow:-
निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

Q. 8 उस रावण का जो प्रभु के दूर चले जाने पर सूने आश्रम से मुझे हरण कर लाया है।

i. उपर्युक्त कथन का वक्ता और श्रोता कौन है ? यहाँ किसके अपमान की बात हो रही है ? **(2)**

ii. वक्ता के कथन का श्रोता पर क्या प्रभाव पड़ता है ? **(2)**

iii. उपर्युक्त कथन के द्वारा वक्ता के चरित्र की किस प्रवृत्ति को उजागर किया गया है ? **(3)**

iv. प्रस्तुत एकांकी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। **(3)**

Q. 9 मुझे उस पर कोई विश्वास नहीं रहा। उसका कोई भरोसा नहीं - कैलस और क्रूर ! उसका काम सताए हुओं को और सताना है, जले हुओं को और जलाना हे।

i. प्रस्तुत वार्तालाप किन व्यक्तियों के बीच हो रहा है ? उनका आपस में क्या सम्बन्ध है ? **(3)**

ii. भाषी कहाँ गया था और क्यों ? **(2)**

iii. वक्ता को किस पर विश्वास नहीं रहा और क्यों ? इस समय उसकी मन:स्थिति कैसी है ? **(2)**

iv. "धन की चमक इंसानियत को भी ताक रख देती है" इस कथन की व्याख्या एकांकी के संदर्भ में कीजिए। **(3)**

Q. 10 आप अपना संतुलन खो बैठे हैं। आप निरंकुश होते जा रहे हैं। आप अपने को केवल शासक मानने लगे हैं। आप भूल गए हैं कि जन - राज में शासक कोई नही होता। सब सेवक होते हैं।

i. श्रोता कौन है ? वह किस बात पर तिलमिलाकर अपना संतुलन खो बैठा है ? **(2)**

ii. वक्ता एवं श्रोता का परिचय दीजिए। **(3)**

iii. निरंकुश शब्द को क्या अर्थ है ? कौन निरंकुश होता जा रहा है ? **(2)**
वक्ता केा ऐसा क्यों आभास हुआ ?

iv. प्रस्तुत एकांकी में किस समस्या को उठाया गया है ? उसका समाधान भी सुझाइए। **(3)**